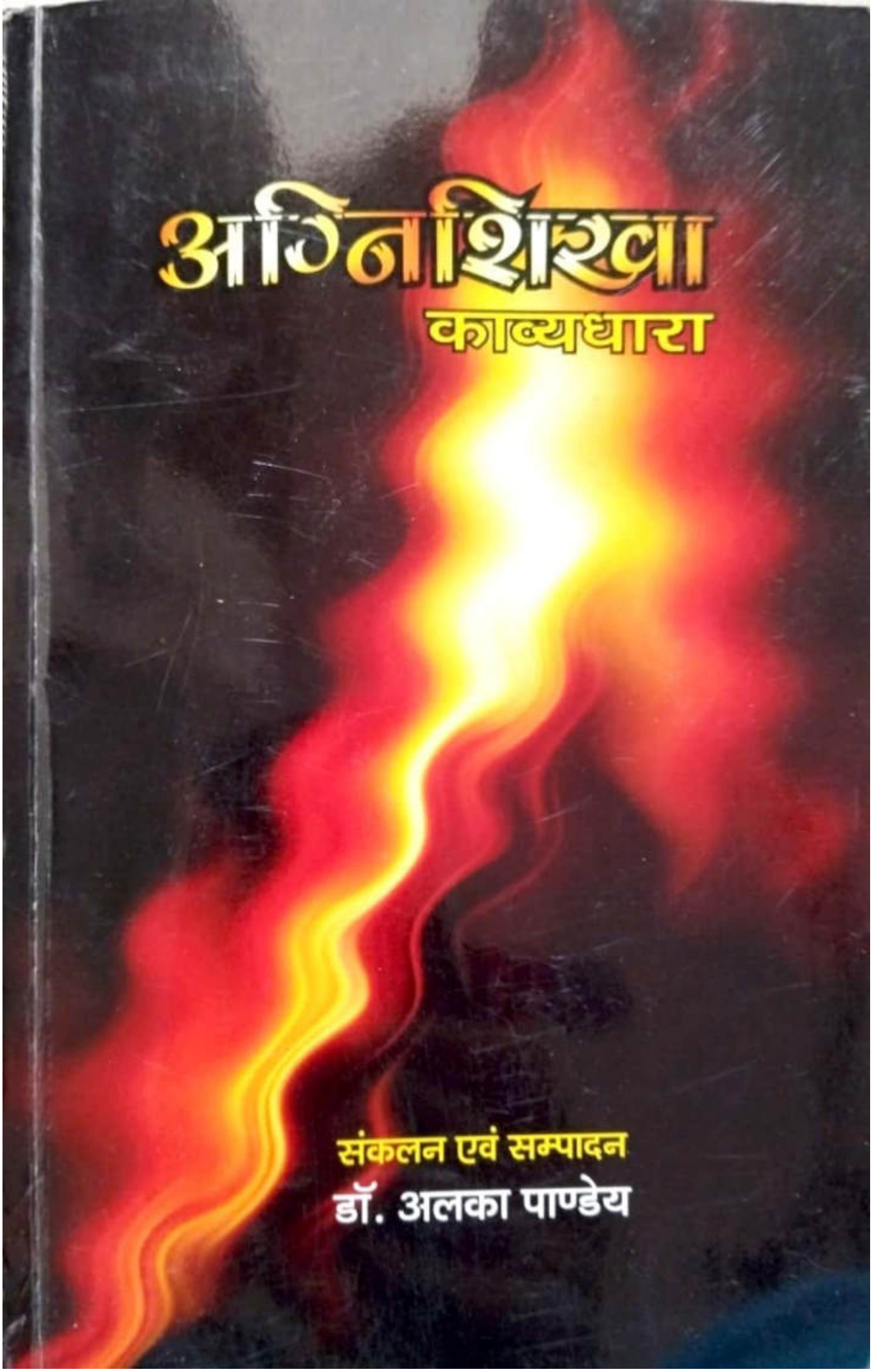

Scanned by CamScanner

अग्निशिखा काव्यधारा

-: संकलन एवं संपादन :-

डॉ. अलका पाण्डेय

-: उप संपादक :-

डॉ. शिवम तिवारी

रामकुमार

आर. के. पब्लिकेशन

मुम्बई

Scanned by CamScanner

ISBN : 978-93-86579-97-3

प्रथम संस्करण : 2019

© संपादक

प्रकाशक :

आर. के. पब्लिकेशन

1/12, पारस दूबे सोसायटी, ओवरी पाढा,
एस.वी. रोड, दहिसर (पूर्व),
मुंबई- 400068

फोन : 9022 521190 / 9821 251190

E-mail : publicationrk@gmail.com

अक्षर संयोजन : राजेन्द्र मिश्र

आवरण : सुनील निंबरे

मूल्य : ₹ 595/-

Price : Rs. Five Hundred Ninty Five Only

Scanned by CamScanner

77. प्रतिभा पाण्डेय 203
78. प्रदीप गंगाराम पवार 206
79. प्रमिला शर्मा 208
80. प्रियंका सोनी प्रीत 211
81. प्रेम नड्डूविनमनी 213
82. बनवारी जाजोदिया 215
83. बीरेंद्र यादव 216
84. ब्रजेन्द्र नारायण द्विवेदी 218
85. भावना नानजीभाई 221
86. मनोज चंद तिवारी 223
87. मनोज देशमुख 226
88. माजिद मियाँ 229
89. मीना कुमारी 232
90. मीना गोदरे 235
91. मीरा त्रिपाठी पाण्डेय 237
92. मेधा कुलकर्णी 240
93. मोहम्मद शेख 244
94. रजनी साहू 246
95. रमेश कटारिया 249
96. रमेश सिंह 251
97. रवींद्र जुगरान 253
98. रवींद्र नाथ सिंह चौहान 255
99. रश्मि कुलश्रेष्ठ 259
100. रश्मि नागर 261
101. रश्मि लता मिश्रा 263
102. रश्मि तिवारी 265

Scanned by CamScanner

डॉ. भावना नानजीभाई सावलिया

प्रकाशन : कविता सागर, काव्य संग्रह

सम्मान : सारस्वत सम्मान राजकोट

सम्प्रति : अध्यापिका, आर्ट्स कॉलेज मोडसा

सम्पर्क : हरमडिया, गोंडल, राजकोट, सौराष्ट्र, गुजरात

मोबाईल : 8849842456 / 9879650974

श्री गुरुदेव शरणं मम्

सूर्योदय की प्रथम किरण-सी
हमारे जीवन में चेतना भरते हैं।
उपदेश हमको देते नहीं,
स्वयं जीकर बताते हैं।।

आजीवन प्रहरी बनके
संसार की रक्षा करते हैं।
अंधेरे में भटके लोगों के
आकाश दीप बनते हैं।।

Scanned by CamScanner

गुरु पत्थर-सा हमको
हीरा-सा चमकाते हैं।
हमारे सूखे हृदय-स्थल को
शहद-सा झरना बनाते हैं।।

निःस्वार्थ प्रेम-भाव के
परिधान से हमको सजाते हैं।
सेवा, त्याग, समर्पण से
हमारा शृंगार करते हैं।।

शौर्य, साहस दृढ़ता की
संतरी-सी हुँकार भरते हैं।
छोटे-बड़े संघर्षों की
हमको विजयमाला पहनाते हैं।।

ऐसे अपने आजीवन सानिध्य में
हमारा चरित्र निर्माण करते हैं।
अपनी स्नेह सरिता से रोज
हमारा जीवन निर्माण करते हैं।।

अपनी स्नेह सरिता से रोज
हमारा अभिषेक करते हैं।
कलम की नोक सक्षम नहीं है
गुरु का महत्व लिख पाये।।
श्याही की इतनी ताकत नहीं,
गुरु गुण अंकित कर पाये।।

Scanned by CamScanner